भारत – मालदीव संबंध

घनिष्ठ एवं मैत्रीपूर्ण पड़ोसियों के रूप में भारत और मालदीव के बीच जातीय, भाषायी, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं वाणिज्यिक संपर्क हैं जिनकी जड़ें बहुत पुरानी हैं तथा दोनों देशों के बीच संबंध मधुर एवं बहुआयामी हैं। 1965 में मालदीव की आजादी के बाद उसे मान्यता प्रदान करने और इस देश के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले पहले देशों में भारत का नाम शामिल है। भारत ने 1972 में माले में अपना मिशन स्थापित किया।

राजनीतिक संबंध

सभी स्तरों पर नियमित संपर्क के माध्यम से द्विपक्षीय संबंध सुदृढ़ हुए हैं। जब से राजनयिक संबंध स्थापित हुए हैं तब से भारत के लगभग सभी प्रधानमंत्रियों ने मालदीव का दौरा किया है। मालदीव की ओर से, पूर्व राष्ट्रपति मौमून अब्दुल गयूम तथा पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने राष्ट्रपति रहने के दौरान कई बार भारत का दौरा किया। राष्ट्रपति अब्दुल्ला यमीन ने एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल के साथ एक राजकीय यात्रा पर 1 से 4 जनवरी, 2014 के दौरान भारत का दौरा किया, जो उनकी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा थी। उन्होंने मई 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भी भाग लिया।
उच्च स्तर पर मंत्री स्तरीय यात्राएं भी नियमित रूप से होती रहती हैं। भारत की विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने नवंबर 2014 और अक्टूबर 2015 में मालदीव का दौरा किया। स्वास्थ्य मंत्री श्री जे पी नड्डा ने जुलाई 2015 में स्वर्ण जयंती स्वतंत्रता समारोह में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में मालदीव का दौरा किया। पर्यटन, संस्कृति और नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री डॉ महेश शर्मा ने भी यू एन ड्ब्ल्यू टी ओ क्षेत्रीय मंत्री स्तरीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए 03-05 जून, 2015 मालदीव का दौरा किया। मालदीव की ओर से मंत्री स्तर पर हाल की यात्राओं में विदेश मंत्री सुश्री दुन्या मौमून (फरवरी 2015 एवं नवंबर 2015), तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री श्री अहमद जुहूर (अप्रैल 2015) और रक्षा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री श्री ऐडम शरीफ उमर (जनवरी 2016 और फरवरी2016) की शात्राएं शामिल हैं।

भारत और मालदीव ने अंतर्राष्ट्रीय मंचों जैसे कि संयुक्त राष्ट्र, राष्ट्रमंडल, गुट निरपेक्ष आंदोलन और सार्क में एक – दूसरे का निरंतर समर्थन किया है।

द्विपक्षीय सहायता

भारत मालदीव का एक अग्रणी विकास साझेदार है तथा मालदीव की अनेक अग्रणी संस्थाओं की स्थापना की है जिसमें इंदिरा गांधी स्मारक अस्पताल (आई जी एम एच), इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी संकाय (एफ ई टी) तथा अतिथि सत्कार एवं पर्यटन अध्ययन संकाय (आई एम एफ एफ एच टी एस) शामिल हैं। जब भी जरूरत पड़ी है, भारत ने मालदीव को सहायता की पेशकश की है। 26 दिसंबर, 2004 को मालदीव के सुनामी से प्रभावित होने के बाद भारत पहला देश था जिसने मालदीव को शीघ्रता से राहत एवं सहायता की पेशकश की। सुनामी एवं संबंधित कारकों की वजह से मालदीव की गंभीर वित्तीय कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए भारत ने 10 करोड़ रूपए की बजटीय सहायता प्रदान की। मई, 2007 में, ज्वार-भाटा से भंयकर रूप से प्रभावित होने के बाद, जुलाई, 2007 में सहायता के लिए 100 मिलियन रूपए के समतुल्य अमरीकी डालर की सहायता प्रदान की गई।

इस समय, भारत ने मालदीव को 100 मिलियन अमरीकी डालर की स्टैंड बाई ऋण सुविधा (एस सी एफ) प्रदान की है जिसमें व्यापार के लिए दीर्घावधिक ऋण तथा रिवाल्विंग ऋण शामिल हैं। मालदीव को भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित 40 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य की नई ऋण सहायता के तहत भारत के प्रवासी अवसंरचना गठबंधन (ओ आई ए) को मालदीव में 485 आवासीय यूनिटों के निर्माण का ठेका दिया गया है।

क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण

क्षमता निर्माण एवं कौशल विकास मालदीव को भारत की सहायता के प्रमुख घटकों में से एक है। भारत निम्नलिखित स्कीमों के तहत मालदीव के छात्रों को अनेक छात्रवृत्तियों की पेशकश करता है :

- आई सी सी आर छात्रवृत्ति
- सार्क चेयर छात्रवृत्ति
- आई टी ई सी प्रशिक्षण एवं छात्रवृत्तियां
- कोलंबो योजना की तकनीकी सहयोग स्कीम
- चिकित्सा छात्रवृत्तियां

मालदीव के अनेक राजनयिकों ने भारतीय विदेश सेवा संस्थान के विदेशी राजनयिकों के लिए पेशेवर पाठ्यक्रम (पी सी एफ डी) कार्यक्रम के तहत भारत में प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

भारत सरकार ने मालदीव में शिक्षा क्षेत्र में प्रौद्योगिकी अंगीकरण कार्यक्रम के लिए 5.30 मिलियन अमरीकी डालर की एक परियोजना को वित्त पोषित किया है। यह परियोजना एन आई आई टी तथा ई ई ई सी (भारत) द्वारा निष्पादित की गई है। इस परियोजना के तहत 27 माह की अवधि (2011 - 2013) में कंप्यूटर कौशल में पूरे द्वीपसमूह से मालदीव के लगभग 5000 शिक्षकों एवं युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है।

आर्थिक एवं वाणिज्यिक संबंध

भारत और मालदीव ने 1981 में एक व्यापार करार पर हस्ताक्षर किया जो आवश्यक वस्तुओं के निर्यात का प्रावधान करता है। शुरूआत में निर्यात साधारण था परंतु धीरे – धीरे बढ़कर भारत – मालदीव द्विपक्षीय व्यापार आज 700 करोड़ रूपए के आसपास है। भारत की ओर से मालदीव को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से कृषि एवं पोल्ट्री उत्पाद, चीनी, फल, सब्जियां, मसाले, चावल, आटा, टेक्सटाइल, औषधियां एवं दवाएं, अनेक तरह इंजीनियरिंग एवं औद्योगिक उत्पाद, रेत एवं बजरी, भवन के लिए सीमेंट आदि शामिल हैं। भारत द्वारा मालदीव से मुख्य रूप से स्क्रैप मेटल का आयात किया जाता है। द्विपक्षीय करार के तहत भारत आवश्यक खाद्य वस्तुएं जैसे कि चावल, आटा, चीनी, दाल, प्याज, आलू एवं अंडा तथा निर्माण की सामग्री जैसे कि रेत एवं बजरी आदि मालदीव को अनुकूल शर्तों पर उपलब्ध कराता है।

द्विपक्षीय व्यापार (मिलियन अमरीकी डालर)

अवधि	भारतीय निर्यात	भारतीय आयात	कुल
2010	125.5	2.5	127.5
2011	147.8	2.6	150.4
2012	147.7	2.8	150.5
2013	154.0	2.3	156.3
2014	170.6	2.9	173.5
नवंबर, 2015 तक	205.0	1.6	206.6

मालदीव में भारतीय व्यवसाय

भारतीय स्टेट बैंक आइलैंड रिजॉर्ट को बढ़ावा देने, समुद्री उत्पादों के निर्यात एवं कारोबारी उद्यमों के लिए ऋण सहायता प्रदान करके फरवरी, 1974 से मालदीव के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भू मिका निभा रहा है। ताज ग्रुप ऑफ इंडिया मालदीव में दो रिजॉर्ट चलाता है जिनके नाम ताज एक्जाटिका एंड स्पा तथा विवांता कोरल रीफ रिजॉर्ट हैं। अनेक अन्य प्रमुख कंपनियों जैसे कि टाटा हाउसिंग की भी मालदीव में मौजूदगी है।

जन दर जन संपर्क

एयर इंडिया तिरूवनंतपुरम, बंगलौर और चेन्नई से माले के लिए प्रतिदिन उड़ानों का संचालन करता है; स्पाइस जेट ऑफ इंडिया माले एवं कोचीन के बीच प्रतिदिन उड़ानों का संचालन करता है। आइलैंड एविएशन सर्विस (मालदीव एयरो) तिरूवंतपुरम और चेन्नई के लिए दैनिक उड़ानों का संचालन कर रही है (सप्ताह में तीन बार)। हाल के वर्षों में हवाई संपर्क में सुधार तथा लोकेशन से नजदीकी की वजह से व्यवसाय एवं पर्यटन के लिए मालदीव का दौरा करने वाले भारतीयों (लगभग 45,000) की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। शिक्षा, चिकित्सा उपचार, मनोरंजन एवं व्यवसाय के लिए मालदीव के लोगों के लिए भारत मनपसंद डेस्टिनेशन है। भारत में उच्च अध्ययन / चिकित्सा उपचार के लिए दीर्घावधिक वीजा प्राप्त करने के इच्छुक मालदीव के नागरिकों की संख्या में पिछले दो वर्षों में भारी वृद्धि हुई है।

सांस्कृतिक संबंध

दोनों देशों के बीच लंबा सांस्कृतिक संपर्क रहा है तथा इन संबंधों को और सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। तीन ऐतिहासिक मस्जिदों (शुक्रवार मस्जिद तथा धारूमावंता रास्गेफानू मस्जिद – माले, फेंफुशी मस्जिद - दक्षिण अरी अटोल) का जीर्णोद्धार एन आर एल सी सी पी, लखनऊ के भारतीय विशेषज्ञों द्वारा सफलता के साथ किया गया। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक मंडलियों का आदान – प्रदान नियमित रूप से होता है। मालदीव में हिंदी की वाणिज्यिक फिल्में, टीवी सीरियल तथा संगीत बहुत ही लोकप्रिय हैं।
जुलाई, 2011 में, माले में स्थापित भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (आई सी सी) योग, शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य में नियमित पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। भारतीय सांस्कृतिक केंद्र के कार्यक्रम मालदीव में सभी आयु के लोगों में बहुत लोकप्रिय हो गए हैं।

भारतीय समुदाय

मालदीव में भारतीय समुदाय दूसरा सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है जिनकी संख्या 22 हजार के आसपास है। भारतीय प्रवासी समुदाय में मजदूरों के साथ – साथ डाक्टर, शिक्षक, लेखाकार, प्रबंधक, इंजीनियर, नर्स एवं तकनीशियन आदि जैसे पेशेवर भी शामिल हैं जो अनेक द्वीपों में फैले हुए हैं। देश के तकरीबन 400 डाक्टरों में से 125 डाक्टर भारतीय हैं। । इसी तरह मालदीव में लगभग 25 प्रतिशत शिक्षक भारतीय हैं जो अधिकतर मिडिल एवं वरिष्ठ स्तरों पर पढ़ाते हैं

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, माले की वेबसाइट :
www.hci.gov.in/male
भारतीय उच्चायोग, माले का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/IndiaInMaldives
भारतीय उच्चायोग, माले यू ट्यूब चैनल :
www.youtube.com.user/hcimaldives

भारतीय उच्चायोग, माले ट्विटर लिंक :
https://twitter.com/hcimaldives

***

जनवरी, 2016